अव्यवस्था सिविल अस्पताल में अव्यवस्थाओं का बना हुआ है आलम

नशे की गिरफ्त में डॉक्टर, मरीज उपचार के लिए परेशान

नवभारत, वारासिवनी। शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में लगातार अव्यवस्थाओं का आलम बना हुआ है। जहां पर उपचार करने आ रहे मरीजों को पर्याप्त उपचार भी नहीं मिल पा रहा है तो वहीं डॉक्टर के द्वारा नशे की हालत में उपचार देने का प्रयास किया जा रहा है। जिसको लेकर मरीज और डॉक्टर के बीच कहा सुनी भी देखने को मिल रही है। ऐसा ही एक मामला 8 अगस्त को सामने आया जब वार्ड नंबर 1 अमृत नगर निवासी अजय मिश्रा को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया। परंतु स्टाफ के द्वारा उनकी कोई जांच नहीं की गई तो वहीं डॉक्टर के द्वारा हड्डी फ्रॅक्ट की बात कहते हुए बालाघाट रिफर करने कहा गया। इसी बीच मरीज के परिजन और डॉक्टर के मध्य हॉट टॉक हो गई जिसमें परिजनों के द्वारा डॉक्टर पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया गया।

डॉक्टर विक्रम शरणागत नशे की हालत में करते है मरीजों का उपचार-अनीश मिश्रा- परिजन अनीश मिश्रा ने बताया कि वार्ड नंबर एक अमृत नगर में अजय मिश्रा मेरे चाचा है,अकेले रहते हैं। पत्नी नहीं है,बच्चा बाहर रहता है। रात में स्वास्थ्य खराब हुआ पड़ोसियों ने अस्पताल में भर्ती किया। सुबह अगले दिन मैं मिलने गया,एक घंटा रुका तो पता चला कि 8 घंटे एडमिट होने के बाद भी कोई चेक करने नहीं आया है। उनका बीपी और शुगर हाई था ।उस समय डॉक्टर विक्रम शरणागत ने उन्हें अटेंड किया, वह नशे में थे। उन्होंने कहा कि पैर फ्रैक्चर है। जिस पर हमारे भाई ने अपने पापा का एक्सरे करवाया, रिपोर्ट दिखाई तो उसमें फ्रैक्चर नहीं था। घुटनों की समस्या दूसरे डॉक्टर ने बताई। हमारा कहना है की अब आप भवन कितना भी बड़ा बना ले पर डॉक्टर शराब पीकर इलाज करेंगे तो कुछ नहीं हो सकता। ऐसे व्यक्ति जिनकी पत्नी ने विभाग को अपना पूरा जीवन दे दिया बेटा भी इस विभाग में है और उन्हें उपचार नहीं मिल रहा है तो आम इंसान की बात समझ सकते हैं। खतरों से भरा अस्पताल दिख रहा है यहां हर कोई एक दूसरे को ढकने में लगा है। हमारे पूर्व मंत्री ने इसके पूर्व भी डॉक्टर चौधरी वाले विषय में समझाइस दी थी फिर भी स्टाफ नहीं सुधरा। जिला चिकित्सा अधिकारी के द्वारा भी उस समय कुछ बातें कही गई थी। उस पर आज भी कोई अमल नहीं है हमारी मांग है कि यहां का स्टाफ बदला जायें।

डॉक्टर के खिलाफ पूर्व में भी आ चुकी है कई शिकायतें

सिविल अस्पताल वारासिवनी में पहली बार किसी परिजनों के द्वारा डॉक्टर पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाने का यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जिसमें जिला चिकित्सा अधिकारी तक शिकायत की जा चुकी है। तो वहीं पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा बीते दिनों भी डॉक्टर बृजेंद्र चौधरी नशे की हालत में होने की जानकारी के बाद जिला चिकित्सा अधिकारी खंड चिकित्सा अधिकारी सहित समस्त डॉक्टर व नगर वासियों के साथ सिविल अस्पताल में बैठक आयोजित की गई थी। जहां पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा कडक़ शब्दों में अधिकारी और डॉक्टरों को फटकार लगाई गई थी। जिस पर जिला चिकित्सा अधिकारी श्री उपलव के द्वारा आगामी समय में ऐसी कोई शिकायत आने पर तत्काल जांच करवाने की बात कही गई थी। किंतु पुन- इस प्रकार के आरोप लगने पर जांच की बात केवल हवा हवाई साबित हो रही है।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि यह मामला मेरे संज्ञान में नही है। किसी के द्वारा शिकायत भी नही की गई है। यदि शिकायत की जाती है तो जांच की जायेगी।

डॉ. कमलेश झोड़े बीएमओ वारासिवनी

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय की दुर्गति

नवभारत, बालाघाट। जिले का एकमात्र ख्यातिप्राप्त महाविद्यालय जहां पूर्व से वर्तमान तक जिले के राजनेताओं ने अध्ययन किया है, उसकी दुर्गति अपने हाल पर आंसू बहा रही है,इस महाविद्यालय के बाई ओर के भाग में हर साल खरपतवार पनप जाते हैं ,बिल्डिंग जर्जर हो रही है, पिछले 7 ,8 साल पूर्व बनकर तैयार हुए भवन में भी यही स्थिति है, महाविद्यालय की बाई और दक्षिण में जो नाली थी पूरी तरह टूट गई है और पानी वहीं भरा पड़ा है ,जहां बड़े-बड़े पेड़ भी पनप गए हैं महाविद्यालय प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है, ऐसी स्थिति में जहां करोड़ों का फंड प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज होने के चलते आता है दुर्गति देखकर ऐसा नहीं लगता कि मेंटेनेंस में कोई विशेष उनके प्रबंधन की है। यदि प्रबंधन ने समय रहते नाली निर्माण और साहित्य साफ सफाई नहीं कराई तो कॉलेज विद्यालय आने वाले कुछ वर्षों में जर्जर होकर गिर जाएगा

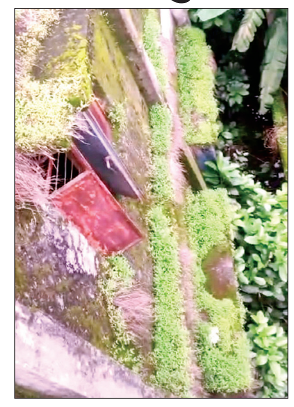

इसमें कोई संदेह नहीं है।

भवन के खिड़की के पल्ले भी जंग खाकर कर गिर रहे हैं, इस कॉलेज से अनेक आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, मजिस्ट्रेट कई बड़े अधिकारी और जिले के तमाम नेता पढ़कर नाम रोशन कर चुके हैं, अनेक वर्षों तक यहां प्राचार्य भी इसी महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले होते आ रहे हैं वर्तमान प्राचार्य भी इसी कॉलेज के स्टूडेंट रहे हैं ,इसके बावजूद यह दुर्गति समझ से परे है।

नवभारत, बालाघाट। रक्षा बंधन के पावन पर्व पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट की कार्यकर्ता बहनों ने हम सभी की सुरक्षा, समाज की शांति और जनकल्याण हेतु सदैव तत्पर रहने वाले पुलिस कर्मियों को रक्षा-सूत्र बाँधकर इस पवित्र पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

अंग्रेजों भारत छोड़ों आंदोलन के महापुरूषों और स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी शहीदों को याद किया

नवभारत, बालाघाट। अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन के महापुरूषों और स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी शहीदो को याद किया गया। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर दिनाँक 9 अगस्त 2025 को दोपहर 2 बजे डॉ. राम मनोहर लोहिया चौक से क्रांतिकारी नेता पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के नेतृत्व में क्रांति मार्च निकाला गया जो कि बालाघाट शहर का भ्रमण करता हुआ रानी अवंतीबाई चौक बस स्टैंड पहुँचा। क्रांति मार्च में करो या मरो, जालिम काले अंग्रेजों भारत को लूटना बंद करो, अन्याय, अत्याचार, शोषण, भ्रष्टाचार बंद करो, पहले भागे गोरे अंग्रेज अब भागेंगे काले अंग्रेज, इंकलाब जिंदाबाद, क्रांति अमर रहे और देश के शहीद वीर जवान अमर रहे जैसे नारे लगाये गये। क्रांति मार्च के दौरान महात्मा गाँधी, सुभास चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह और रानी अवंतीबाई की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

क्रांति मार्च के पश्चात रानी अवंतीबाई बाई चौक में क्रांतिकारी साथियों और पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के द्वारा एक क्रांति सभा का आयोजन किया गया। इस सभा को क्रांतिकारी नेता पूर्व सांसद कंकर मुंजारे, क्रांतिकारी साथी पूर्व विधायक परसवाड़ा उमाशंकर मुंजारे, पूर्व सरपंच कुम्हारी सहजलाल उपवंशी, क्रांतिकारी राजा लिल्हारे, क्रांतिकारी गोकुल मोहारे और ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान के द्वारा किया गया। क्रांति सभा को संबोधित करते हुये क्रांतिकारी नेता कंकर मुंजारे ने कहा कि आज से 83 वर्ष पूर्व 8 व 9 अगस्त 1942 को मुंबई में एक क्रांति का आगाज किया गया जिसमें अंग्रेजों भारत छोड़ो, करो या मरो जैसे नारे दिये गये। इस क्रांति का नेतृत्व महात्मा गाँधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया एवं देश के बड़े नेताओं ने किया और क्रांति का बिगुल बजाया। इस क्रांति आंदोलन के दौरान पूरे देश भर में कई जगहों पर ट्रेनें रोकी गई, टेलीफोन लाइनें काट दी गई और अंग्रेजी शासन के पुलिस थानों को जला दिया गया। इस आंदोलन से अंग्रेज सरकार काफी घबरा गई थी। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने बताया कि उसके पहले ही भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अश्फाक उल्ला खाँ, ठाकुर रोशन सिंह सब अपना बलिदान दे चुके थे। लोगों में आक्रोश था। इससे अंग्रेज घबरा गये और इसके बाद भारत आजाद हुआ। इस आंदोलन में 8 लाख लोगो ने अपनी जान की कुर्बानी दी। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और आर एस एस अखण्ड भारत की बात करते है। पाकिस्तान बांग्लादेश अलग हो चुके है। कहाँ है अखण्ड भारत। पाकिस्तान और भारत एक होते तो भारत विश्व का शक्तिशाली राष्ट्र होता। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होने कहा कि आतंकवादियों को नाम से क्या लेना देना वे तो सिर्फ मारते है। कश्मीर में इतनी हाई सिक्योरिटी होने के बावजूद वे बार्डर के अंदर आये और लोगो को मारकर चले भी गये। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बार्डर को भी सुरक्षित नही कर पा रही है। आये दिन देश पर हमले हो रहे है और ये कहते है कि देश सुरक्षित हाथों में है। गरीबी, मँहगाई, बेरोजगारी बढ़ी है। प्राइवेट स्कूल बढ रहे है। शासकीय स्कूल बंद किये जा रहे है। हमारे बालाघाट शहर में लगी महापुरूषों की मूर्तियों को काले रंग से पोते जाने को क्रांतिकारी नेता कंकर मुंजारे ने आड़े हाथों लिया और इस पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि हमारे देश के नेताओं पर अगर कोई स्याही भी फेंक दे तो बवाल हो जाता है परन्तु जिस तरह से देश के वीर महापुरूषों को काले रंग में रंगा जाना यह एक शर्मनाक हरकत है।

इनकी रही उपस्थिति

इस क्रांति मार्च में प्रमुख रूप से हर्ष मुंजारे, रवि कुथे, जसप्रीत सिंह सौंधी, शिवम राँहगडाले, रूपलाल सहारे, देवेन्द्र पिछोड़े, विनोद धामड़े, ओमकार माहुले, रामलाल नगपुरे, राजू धुर्वे, दर्शन हिरापुरे, विपिन सहारे, युसुफ भाई, विरेन्द्र कावरे, दीपेष रनगिरे, राजेन्द्र लिल्हारे आदि क्रांतिकारी साथी उपस्थित रहे।

जंद पानी के बहाव से नहर फूटी, बना मौत का कुआं

अधिकारियों के गैर जिम्मेदारी कारण फूटी नहर बनी खाई

नवभारत, किरनापुर। बालाघाट जिले के अनुविभागीय क्षेत्र किरनापुर पंचायत साल्हे पिपरटोला ग्राम के हि पास 9 अगस्त को नहर की अचानक नहर फूटने की खबर आस पास के गांव में फैल गई,नहर देखने ग्राम के किसान भाई लोग पहुँचे,फूटा नहर देककर चौक गये ,नहर के अंदर हि अंदर धसते जा रहा है वह मौत का खाई बन चूका है ,किसानों के चहरो पर आक्रोष, इस वर्ष नहीं हुई नहर की साफ सफाई एवं मरमत, नहीं किया जाता अधिकारी द्वारा

निरीक्षण। अधिकारी की लापरवाही से क्षेत्र के किसानों ने भारी नाराजगी जाहिर की है। ग्राम की कुछ नागरिक बताते है की बारिश के पहले से अधिकारीयों को नहर की मरमत को लेकर बताई गई किंतु झू तक नहीं रेंगा,नहर फूटा शुबह जानकारी डी गई परन्तु आधिकारी करीबन 5 बजे मौके पर पहुँचे,मोके पर मामले में किसानों का कहना है कि एक और किसान को बारिश लगते पानी देने को लेकर पैसे जमा करने कहा जाता है वही इस तरह नहर फूटा है जबकि इस नहर की मरमत तक नहीं की है जिसके वजह से सीमेंट के पुल के पास मिट्टी धश्ते जा रहा है, खड्डा इतना हो चूका की भय सा लगता है ,नहरो के परो मे दरारे आ चुकी है वही वह गड्डा खाई बन चूका जिसे कभी भी बड़ी दुर्घटनाए हो सकती है। वही किसान नहर फूटा देखकर सोच मे डूब चुके है की साल भर का मेहनत पसीने की कमाई खेत फसल खड़ा करने मे लगा दिया गया है ,वही दूसरी ओर बारिश समय पर नहीं होने से खड़ी फसल भी सुक जाती है ,इस नहर के पानी के भरोसे हि फसल खडे पकने सम्भवाना बनी हुई थी ,किन्तु अधिकारीयों की गैर जिम्मेदारीयो के कारण अब नहर फुट जाने से किसान का सपना हि टूटते नजर आ रहा है। किसानो ने जिले के कलेक्टर साहब से आग्रह किया गया है की कार्यवाही कर नहर का मरमत किया जाये।

साले पीपार्टोला के बिच नहर फुट जाने से आसपास के लगभग एक दर्जन किसानों के खेत में खड़ी फसलों को लेकर चिंताजनक विषय बन गया है,जब नहर फुट जाने से अब फसलो को पानी नहीं मिल पायेगा ।जिससे फसले सुख कर नस्ट हो जायेगी ।वही आधिकारी पर अपने गैर जिम्मेदारीयो पर कार्यवाही की जानी चाइये वही नहर व्यकल्पिक बनाकर नहर बनाया जाये।

कोष्टी समाज की भूजली यात्रा निकली

नवभारत, बालाघाट। वारासिवनी में आज 10/08/2025 को भूजली के पावन पर्व के अवसर पर सर्व कोस्टी समाज की भूजली यात्रा में समस्त समाज के श्रद्धालुओं को फल वितरण कर भूजली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की गई जिसमें विशिष्ट रूप से छेत्र के विधायक माननीय विवेक विक्की पटेल जी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल जी अधिवक्ता रामकिशोर बिसेन जी कांग्रेस बेरोजगारी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गोविल चौरे जी एडवोकेट सलीम खान जी थानेगांव सरपंच लक्ष्मीकांत बैंस जी झामसिंह भगत जी शाहिद भाई अल्पसंख्यक विभाग विधान सभा अध्यक्ष अरशद कुरैशी राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच विधान सभा अध्यक्ष सुमेद बनसोड़ राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ब्लॉक महामंत्री अल्ताफ कादरी राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ग्रामीण अध्यक्ष राजेश कोलते राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ग्रामीण अध्यक्ष रवी नगरगड़े आदेश माडल शादाब हसन आबिद कादरी अंशु डोंगरे फरहान खान अयान खान सुमीत दमगाहे सुमीत बांगड़े एवं सभी कांग्रेसी गण मौजूद रहे।

बैहर क्षेत्र में चल रहा फर्जी वन पट्टों का कारोबार

नवभारत, बालाघाट। वैसे तो बालाघाट जिला अपने घने जंगलों और वन्य प्राणियों के लिए जाना जाता है, पर इन दिनों कुछ लोग अपने वित्तीय, राजनैतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिए वनों को विनाश की ओर ले जाने को तत्पर है। ताजा जानकारी वन परिक्षेत्र पूर्व बैहर सामान्य के मंडई क्षेत्र से प्राप्त हो रही है जहां इन दिनों फर्जी वन पट्टों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है।

ग्राम चरचेंडी, जगला, छपला का है मामला

बीते दिनों कक्ष क्रमांक 1642 में वर्ष 2023 में वन विभाग द्वारा किए गए वृक्षारोपण में अचानक कुछ लोग आकर अपने पट्टे की जमीन बता कर वृक्षारोपण को नष्ट करने लगे। वन विभाग के अमले द्वारा इन्हें रोकने पर इन लोगों ने अपने पट्टे दिखाए। संदेह तब उत्पन्न हुआ जब वन अधिकार पत्र धारियों की सूची से इनके नाम का मिलान किया गया। किसी एक का भी नाम उस सूची में नहीं था। ऐसे में जब ए सी ट्राइबल से जानकारी मांगी गई तो उनके यहां भी इन व्यक्तियों को कभी भी पट्टा देने का या किसी भी प्रकार का कोई उल्लेख नहीं मिला। वन विभाग द्वारा पट्टों की पुष्टि पूरी न होने तक इन लोगों से आग्रह किया कि

लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए वृक्षारोपण को क्षति ना पहुंचाएं। किंतु मजे की बात तो यह हुई कि इसी फर्जी पट्टे के आधार पर माननीय उच्च न्यायालय में पट्टा धारियों ने रिट याचिका लगा दी। जो कि पहली ही पेशी में खारिज होगई। सूत्रों से यह भी ज्ञात हुआ है कि फर्जी पट्टों के इस रैकेट के पीछे जिम्मेदार कुछ लोगों का नाम भी वन विभाग को हाल ही में पता चला है। जिसमें शासकीय और अशासकीय दोनों प्रकार के लोग हैं। इस संबंध में पत्राचार भी किया जा चुका है। देखना ये है कि बालाघाट की अमूल्य संपत्ति को नष्ट करने करवाने वाले लोगों पर कब कार्यवाही होगी। जहां एक तरफ शासन ऐसे लोगों को ढूंढ कर जिन्हें वास्तविक रूप से नियम अनुसार पट्टा मिलना चाहिए पुलिस विभाग के सहयोग से दावे करवा रहा है वही दूसरी ओर ऐसे लोग जिनका कभी वन भूमि पर कब्जा नहीं था वो आकर फर्जी पट्टे बनवा ले रहे हैं। दिनांक 1,2,3 जुलाई 2025 को ऐसे ही फर्जी पट्टों के आधार पर वन भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा था। वन विभाग की टीम ने जब ग्राम चरचेंडी निवासी इन अतिक्रमण कर्ताओं को जब समझा बुझा कर रोकने का प्रयास किया तो अतिक्रमणकारी उल्टा वन विभाग की टीम पर ही हावी होगए और पत्थर कुल्हाड़ी लेकर उनके पीछे दौड़ पड़े। दिनांक 3 जुलाई को परिक्षेत्र पूर्व और पश्चिम बैहर सामान्य के विशेष गठित दल ने अतिक्रमणकारियों को अभिरक्षा में लेकर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया। जब अतिक्रमणकर्ताओं को यह समझ आया कि फर्जी पट्टे का भांडा फूटने वाला है तब मुद्दे से ध्यान भटकाने के उद्देश्य से करीब एक माह बाद पुलिस में जाकर शिकायत दर्ज करा दी कि वन विभाग ने उनके साथ मार पीट की है। मौका देख कुछ नेताओं और पत्रकारों ने भी इस बात का बतंगड़ बना दिया और सोशल मीडिया पर खबरें चलाने लगे।

कार्यक्रम समाज के युवाओं ने नगर में निकाली बाइक रैली

भुजली पर्व त्यौहार नगर में एकता की मिसाल

नवभारत, वारासिवनी। श्री सदगुरु कोष्टी समाज उन्नति परिषद वारासिवनी के तत्वाधान में रविवार को भुजली पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया स्थानीय कबीर कुटी भवन में शाम 4.30 बजे कबीर जी की पूजा अर्चना की गई जिसके बाद भुजली की शोभायात्रा निकाली गई इस दौरान छोटी-छोटी बच्चियों ने अपने सिर पर झाल लेकर उपस्थिति दर्ज कराई यह शोभायात्रा स्थानीय कबीर कुटी भवन से निकलकर गोलीबारी चौक,अंबेडकर चौक,नेहरू चौक, कटंगी मार्ग,दुर्गा मंदिर होते हुए पुनः अम्बेडकर चौक,गोलीबारी चौक होते हुए चंदन नदी पहुंची जहाँ भुजली का विसर्जन किया गया इस दौरान विधायक पूर्व विधायक सहित समाज के पदाधिकारीगण मौजूद रहें।

समाज के युवाओं ने नगर में निकाली बाइक रैली- प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी कोष्टी समाज के युवाओ द्वारा सुबह बाइक रैली निकाली गई यह रैली कबीर साहेब की जय घोष के नारों के साथ स्थानिय कबीर कबीर कुटी भवन से प्रारंभ होकर गोलीबारी चौक, अंबेडकर चौक,नेहरु चौक,बस स्टेण्ड,दीनदयाल चौक,बालाघाट रोड होते हुए पुनः दिनदयाल चौक, कॉलेज चौक, जय स्तम्भ चौक,नेहरु चौक,दुर्गा मंदिर होते हुए पुरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात कबीर कुटी भवन में रैली का समापन किया गया

नगर में एकता की मिसाल बनी भुजली पर्व- श्री सदगुरु कोष्टी समाज परिषद वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित भुजली पर्व नगर का एक ऐसा त्यौहार है जो नगर के हर वर्ग को सूत्र में बांधे रखता है और एकता की मिसाल देता है यह भुजली पर्व पुरे प्रदेश में सबसे शानदार वारासिवनी में ही मनाया जाता है और यह भुजली शोभायात्रा को देखने के लिए भुजली विसर्जन के बाद कबीर कुटी भवन में भुजली मिलन समारोह का आयोजन किया गया इस भुजली मिलन समारोह में कोष्टी समाज के अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ ने अपने समाज के अन्य लोगों के साथ अतिथियों का स्वागत किया और सभी नगर वासियों को भुजली पर्व की बधाई दी और सभी का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

भुजली शोभायात्रा में विधायक विवेक विक्की पटेल,पूर्व विधायक डॉक्टर योगेन्द्र निर्मल,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांद्रे,उपाध्यक्ष प्रीति संतोष शिव,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल,पार्षद संदीप मिश्रा,मनोज दांद्रे,गुड्डु सोनी,अनिल पिपरेवार,विवेक जुझार,जीतू राजपूत,विक्की ऐड़े,अनीश बेग,निरंजन बिसेन,कोष्टी समाज के अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ,कार्यकारी अध्यक्ष मोनू लिमजे,उपाध्यक्ष मिथिलेश बुरड़े,अरविंद कुल्हाड़े, सचिव संजय बांगरे,कोषाध्यक्ष विशाल गोखले,युवा अध्यक्ष सुमित सोनकुसरे,सुभाष बोकडे,अजय हेड़ाऊ,रविकांत गोखले,आशीष सोनकुसरे,हितेंद्र पात्रे,डब्बू बोकडे,योगेश बांगरे,महेश बोकडे,छोटू हेड़ाऊ सहित समाजिकगण मौजूद रहें।

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ के लोग भी पहुंचते हैं

प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के दूसरे दिन कोष्टी समाज की महिलाएं इस कजरिया पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाती है भुजली में व्रत रख कर नवविवाहिता अपने दोनों ही परिवार की खुशहाली की कामना ईश्वर से करती है और भुजलिया का विसर्जन कर देती हैं वही भुजली पर्व के दूसरे दिन की रस्म पर दामादों का स्वागत वंदन करते हैं यह संस्कृति आज भी विद्यमान है और दामाद अपनी पत्नी का ध्यान रखते हुए उनके झाल के साथ रास्ते में चलते रहते हैं।